K. Nand M.A II Sem (1)

में उपस्थित इन्हीं गुणों या विशेषताओं के वर्तमान होने से प्रत्यक्षकर्ता उसके प्रति आकर्षित हो जाता है।

(1) शारीरिक आकर्षकता :— सुगठित, सुडौल एवं सुन्दर रूप वाले व्यक्ति को सामान्यत: लोग अधिक समायोजित, सद्गुणी एवं प्रतिभावान मानकर उसके प्रति आकर्षित होते हैं। इसे समाज मनोविज्ञानियों द्वारा शारीरिक आकर्षकता कहा जाता है। गिलेन (1981) ने अपने अध्ययन में यह भी पाया कि शारीरिक रूप से आकर्षक पुरुषों को पुरुष सुलभ गुणों से परिपूर्ण तथा शारीरिक रूप से आकर्षक स्त्रियों को स्त्रियोचित गुणों से परिपूर्ण माना जाता है।

काज एवं डेविस ने अपने अध्ययनों में पाया है कि कुरूप स्त्रियों की तुलना में सुन्दर स्त्रियों के साथ प्रेम प्रसंग की घटनाएँ अधिक घटित होती हैं। इसी प्रकार अनेक अध्ययनों के आधार पर इस बात की पुष्टि होती पाई गई है कि शारीरिक आकर्षकता अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण का एक प्रमुख कारक है।

(2) समानता :— आधुनिक समाज मनोविज्ञानियों द्वारा अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण के निर्धारक के रूप में दो व्यक्तियों के बीच समानता के निम्नांकित तीन पक्षों का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है —

(a) मनोवृत्ति की समानता :— मनोवृत्ति की समानता आकर्षण का एक मुख्य कारक या निर्धारक है। सामान्यत: यह पाया जाता है कि समान मनोवृत्ति वाले एक-दूसरे के प्रति अधिक आकर्षित और समायोजित होते हैं। इस संदर्भ में कप्लान तथा एण्डरसन (1973) ने अपने अध्ययन में पाया कि कॉलेज छात्रों में एक-दूसरे के प्रति उस परिस्थिति में आकर्षकता बढ़ जाती है जब उनकी मनोवृत्ति किसी विषय या घटना के प्रति समान होती है। बर्न तथा नेल्सन (1965) ने अपने अध्ययन में यह भी स्पष्ट किए हैं कि अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण के लिए सिर्फ समान मनोवृत्ति

की संख्या ही नहीं व्यक्ति है की मनोवृत्तियों का अनुपात भी महत्वपूर्ण होता है। जैसे- यदि कोई व्यक्ति 6 विषयों में से 4 पर अन्य व्यक्ति के साथ समान मनोवृत्ति दिखाता है, तो इनमें अन्तर्वैयक्तिक आकर्षकता उन दो व्यक्तियों की अपेक्षा अधिक होगी जो 6 विषयों में से मात्र 3 विषयों पर ही मनोवृत्ति समानता दिखाते हैं। पाण्डे एवं रस्तोगी (1978) ने भारतीय अध्ययन में मनोवृत्ति समानता तथा परस्पर आकर्षकता के धनात्मक संबंधों की पुष्टि की गई है।

(b) व्यक्तित्व की समानता — व्यक्तित्व की समानता अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। पामर और बायर्न (1970) ने अपने अपने अध्ययनों में पाया कि एक प्रभावशाली व्यक्ति दूसरे प्रभावशाली व्यक्तियों को अधिक पसन्द करते हैं। साथ-ही-साथ कम प्रभाववाले व्यक्ति भी प्रभावशाली व्यक्ति को पसन्द करते हैं। आधुनिक समाज मनोवैज्ञानियों का मत है कि जिनके व्यक्तित्व में व्यक्ति जितनी अधिक समानता पाता है आकर्षण उतना ही अधिक होता है। एक अन्य अध्ययन में हिल एवं स्टल (1981) ने पाया है कि कॉलेज की छात्राएँ उन छात्रों के साथ रहना अधिक पसन्द करती हैं जिनका सामाजिक मूल्य उनके सामाजिक मूल्य से समान होते हैं।

(c) व्यवहारगत समानता — कैण्डल एवं उनके सहयोगियों द्वारा हाईस्कूल के छात्रों पर किए गए अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त किए हैं कि कक्षा के भगोड़े एवं नकलची छात्र आपस में अधिक मित्रता रखते हैं। उनका आपसी आकर्षण भी अधिक होता है। इसी प्रकार यह भी पाया गया कि समान खेल और समान संगीत में रुचि रखने वाले लोगों में अन्तर्वैयक्तिक आकर्षण अधिक होता है।

सैण्डर्स (1982) ने अपने अध्ययनों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाले हैं कि